राजभाषा हीरक जयंती पखवाड़ा 2024 की रिपोर्ट

हिंदी दिवस समारोह 2024 व दो-दिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन

दिनांक 14.09.2024 एवं 15.09.2024 को अखिल भारतीय स्तर पर दो-दिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में किया गया। इस सम्मेलन का उद्घाटन माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा किया गया। इन दो दिनों में केंद्रीय मंत्रिमंडल के अनेक माननीय मंत्रियों, विभिन्न भाषा विशेषज्ञों तथा हिंदी साहित्य व सिनेमा जगत से जुड़ी हस्तियों द्वारा संबोधन दिए गए। संस्थान की ओर से श्री संतोष कुमार, प्रशासनिक अधिकारी; श्री संजय चौधरी, हिंदी अधिकारी तथा श्री शशांक भटनागर, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक द्वारा दो-दिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में प्रतिभागिता की गई।

राजभाषा हिंदी हीरक जयंती व्याख्यान

संस्थान में हिंदी पखवाड़ा 2024 का शुभारंभ करते हुए दिनांक 17.09.2024 को राजभाषा हिंदी हीरक जयंती व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. जवाहर कर्नावट, निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय हिंदी केंद्र, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के द्वारा "राजभाषा, जनभाषा और वैश्विक भाषा के रूप में हिंदी की प्रगति" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के लगभग 85 अधिकारियों व कार्मिकों ने प्रतिभागिता की। व्याख्यान के अंत में परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया जिसमें मंचासीन अधिकारियों तथा संस्थान के स्टाफ सदस्यों ने आमंत्रित विशेषज्ञ के साथ संवाद स्थापित किया।

हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी एवं सामान्य ज्ञान (हिंदी शब्द भंडार) प्रतियोगिता

संस्थान में दिनांक 18.09.2024 को ज्ञान संसाधन केंद्र (पुस्तकालय) में हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी के दौरान सामान्य ज्ञान (हिंदी शब्द भंडार) प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस पुस्तक प्रदर्शनी में संस्थान के लगभग 200 अधिकारी व कार्मिकों ने प्रतिभागिता की तथा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में 60 कार्मिकों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार स्वरुप उपहार दिए गए। हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी को 20.09.2024 तक अर्थात अगले दो दिन तक जारी रखा गया। संस्थान के

अनेक उच्च अधिकारियों एवं हिंदी पखवाड़ा 2024 के कार्यक्रमों के लिए आमंत्रित बाहरी अतिथियों ने भी हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी को देखा और लाभ उठाया।

हिंदी श्रुतलेख प्रतियोगिता

संस्थान में दिनांक 19.09.2024 को हिंदी श्रुतलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 49 अधिकारियों व कार्मिकों द्वारा भाग लिया गया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का प्रदर्शन अभूतपूर्व रहा तथा अधिकतम प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कुल 15 प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं प्रोत्साहन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। हिंदी एवं हिंदीतर, इन दोनों वर्गों के विजेताओं को ये पुरस्कार दिए गए।

'हिंदी के विविध रंग – साहित्य, कला, काव्य के संग' कार्यक्रम

संस्थान में दिनांक 20.09.2024 को 'हिंदी के विविध रंग – साहित्य, कला, काव्य के संग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध कवि, कथाकार एवं मीडियाकर्मी श्रीमती अलका सिन्हा ने साहित्य, कला, मीडिया तथा जीवन दर्शन से संबंधित विभिन्न मानवीय पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा अपनी कुछ बहुचर्चित कविताएं सुनाईं। कार्यक्रम को रोचक बनाते हुए संस्थान के कई कार्मिकों ने अपनी स्वरचित कविताओं का वाचन किया। अंत में पारस्परिक संवाद के माध्यम से कार्मिकों ने आमंत्रित अतिथि के बहुमुखी व्यक्तित्व का परिचय प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में संस्थान के 90 कार्मिकों ने प्रतिभागिता की तथा सबकी सक्रिय सहभागिता के कारण यह आयोजन अत्यंत सफल रहा।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 119वीं बैठक

दिनांक 24.09.2024 को संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 119वीं बैठक का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. मनोरंजन परिड़ा द्वारा इस बैठक की अध्यक्षता की गई। बैठक में जुलाई से सितंबर 2024 तिमाही के दौरान संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति से संबंधित चर्चा की गई। निदेशक महोदय द्वारा ईएसडी प्रभाग से ऊर्जा संरक्षण विषय पर एक लेख हिंदी भाषा में तैयार करने का निदेश दिया गया। 'सड़क दर्पण' पत्रिका के अगले अंकों के लिए सीएसआईआर की विभिन्न प्रयोगशालाओं से भी लेख मँगवाने का प्रबंध करने का निदेश दिया गया। निदेशक महोदय द्वारा नराकास की आगामी बैठक में संस्थान के कुछ अन्य इच्छुक अधिकारियों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करने का भी निदेश दिया गया।

हिंदी में प्रभागीय प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता

दिनांक 24.09.2024 को हिंदी में प्रभागीय प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में आरएंडडी श्रेणी के अंतर्गत टीपीई प्रभाग, भू-तकनीकी अभियांत्रिकी प्रभाग, टीईएस प्रभाग, सुनम्य कुट्टिम व दृढ़ कुट्टिम प्रभाग तथा पीईडी प्रभाग के द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया। गैर-आरएंडडी श्रेणी के अंतर्गत ईएसडी प्रभाग, स्थापना-2 अनुभाग, स्थापना-1 अनुभाग, कार्मिक प्रकोष्ठ, पुस्तकालय, आईएलटी प्रभाग तथा भंडार व क्रय अनुभाग की ओर से प्रस्तुतीकरण दिया गया। चार सदस्यों के निर्णायक मंडल ने विभिन्न मापदंडों पर प्रतिभागियों के प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन किया तथा दोनों वर्गों के लिए विजेताओं की घोषणा की।

राजभाषा हिंदी हीरक जयंती तकनीकी कार्यशाला

दिनांक 25.09.2024 को संस्थान में निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुसार राजभाषा हिंदी हीरक जयंती तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया :-

CSIR सीआरआरआई

राजभाषा हीरक जयंती पखवाड़ा 2024

राजभाषा हिंदी हीरक जयंती तकनीकी कार्यशाला

दिनांक : 25.09.2024, अप.02:30

स्थान : सभागार (ऑडिटोरियम)

क्र.	समय	विषय	वक्ता का नाम
1	अप.02:30-2:35	स्वागत एवं तकनीकी कार्यशाला की भूमिका	श्री संजय चौधरी, हिन्दी अधिकारी
2	अप.02:35-2:40	अध्यक्षीय सम्बोधन	प्रो. मनोरंजन परिड़ा, निदेशक
3	अप.02:40-03:00	"कंक्रीट राजमार्गों तथा महामार्गों के निर्माण में CO_2 के उत्सर्जन में कमी लाने के लिए आवश्यक सरल उपाय	डॉ. राकेश कुमार दृढ़ कुट्टिम प्रभाग
4	अप.03:00-03:20	"सड़क निर्माण के लिए जिंक टेलिंग अपशिष्ट सामग्री का पुनः चक्रण	डॉ.अनिल कुमार सिन्हा, जीई प्रभाग
5	अप.03:20-03:40	"संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी के लिए ड्रोन प्रौद्योगिकी का उपयोग"	डॉ. नवीत कौर, बीईएस प्रभाग
6	अप.03:40-04:00	"सीआरआरआई द्वारा विभिन्न प्रकार की वॉटरप्रूफिंग मेम्ब्रेनों के गुणों के मूल्यांकन हेतु विकसित परीक्षण सुविधाएं और ब्रिज डेक पर उनका प्रभाव"	श्री राजेश राणा, बीईएस प्रभाग
7	अप.04:00 -04:20	"भवन निर्माण में 3 डी प्रिंटिंग"	श्री मुकेश कुमार, एमबीएसक्यू
8	अप.04:20-04:40	"सेतुओं की सेवा जीवन अवधि का आकलन"	श्री मुकेश वासन, एसीएसआईआर छात्र
9	अप.04:40-04:58	कार्यशाला की कार्यवाही का प्रस्तुतीकरण	डॉ.प्रदीप कुमार, पीईडी प्रभाग
10	अप.04:58	धन्यवाद ज्ञापन	श्री संजय चौधरी, हिन्दी अधिकारी

सीएसआईआर-केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

राजभाषा कार्यान्वयन समीक्षा कार्यक्रम

हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत दिनांक 27 सितंबर 2024 को पूर्वा. 10:00 से दोपहर 01:00 बजे तक राजभाषा कार्यान्वयन में प्रगति की समीक्षा की गई। डॉ. कंवर सिंह, मुख्य वैज्ञानिक, जीटीई प्रभाग; डॉ. नीलम जैन गुप्ता, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, पीईडी प्रभाग; डॉ. शिक्षा स्वरूपा कर, प्रधान वैज्ञानिक, एफपी तथा श्री संजय चौधरी, हिंदी अधिकारी की समिति के द्वारा संस्थान के स्थापना-1, स्थापना-2, भंडार व क्रय, वित्त व लेखा, कार्मिक अनुभाग तथा केआरसी, ईएसडी, पीएमई तथा आईएलटी प्रभागों में जाकर हिंदी पखवाड़े के दौरान राजभाषा के प्रयोग संबंधी स्थिति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान सरकारी कार्य के अंतर्गत राजभाषा हिन्दी में टिप्पणी लेखन, धारा 3(3) का अनुपालन और पत्राचार में वृद्धि के लिए अनुभागों द्वारा किए गए विशेष प्रयासों एवं प्रतिशत वृद्धि का आकलन किया गया। इस प्रकार, राजभाषा कार्यान्वयन समीक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत वर्तमान तिमाही के दौरान अनुभागों तथा प्रभागों में संपन्न संपूर्ण कार्य में हिंदी कार्य की मात्रा का मूल्यांकन किया गया।

हिन्दी कार्यशाला

दिनांक 27.09.2024 को संस्थान में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। हिन्दी कार्यशाला के प्रथम सत्र में श्रीमती पी.वी बिन्दु, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय द्वारा "हिंदी का प्रचार-प्रसार और उसमें विभिन्न

एजेंसियों की भूमिका" विषय पर व्याख्यान दिया गया। अपने व्याख्यान में उन्होंने विस्तारपूर्वक हिन्दी के प्रचार प्रसार में विभिन्न एजेंसियों की भूमिका के बारे में बताया। उदाहरण देकर यह बताया गया कि देशी एवं विदेशी विद्वानों तथा विभिन्न संगठनों के द्वारा संपन्न इन विविध प्रयासों के परिणामस्वरुप आज देश के विभिन्न प्रदेशों के अलावा विदेशों में भी हिंदी का काफी प्रचार-प्रसार हुआ है।

हिन्दी कार्यशाला के द्वितीय सत्र में सीएसआईआर-निस्पर के प्रशासन नियंत्रक श्री राजेश कुमार रोशन द्वारा "प्रशासनिक एवं वैज्ञानिक कार्यों में हिंदी का प्रयोग – विज्ञान और कला के संदर्भ में" विषय पर व्याख्यान दिया गया। श्री राजेश कुमार रोशन द्वारा सीएसआईआर प्रयोगशालाओं में उनके अनुभव साझा किए गए। दोनों सत्रों के अंत में परिचर्चा सत्र का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों की प्रश्नों/शंकाओं का यथासंभव निस्तारण किया गया। इन दोनों व्याख्यानों में संस्थान के लगभग 100 कार्मिकों ने प्रतिभागिता की।

परिचर्चा सत्र - "हिंदी में विज्ञान : संचार, लेखन एवं अनुवाद के परिप्रेक्ष्य में"

संस्थान में दिनांक 30.09.2024 को सीएसआईआर स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। राजभाषा हीरक जयंती पखवाड़ा 2024 के दौरान सीएसआईआर स्थापना दिवस तथा अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान के स्टाफ सदस्यों के लिए डॉ. मनोज कुमार पटैरिया, एडजंक्ट प्रोफेसर, एनआइएएस का आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान तथा परिचर्चा सत्र आयोजित किया गया। सीएसआईआर-निस्पर के भूतपूर्व निदेशक, डॉ. पटैरिया ने अनुवाद के विभिन्न पहलुओं के साथ-साथ विज्ञान के प्रचार प्रसार में हिंदी भाषा की उपयोगिता तथा आम जनता से हिंदी भाषा के जुड़ाव के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भोपाल गैस त्रासदी का उदाहरण देते हुए बताया कि यदि जनता को उस समय वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विषय में जानकारी प्राप्त होती तो गैस के दुष्परिणामों से बचा जा सकता था। व्याख्यान के अंत में प्रतिभागियों के साथ परिचर्चा सत्र का भी आयोजन किया गया। व्याख्यान में संस्थान के 110 कार्मिकों ने प्रतिभागिता की।

राजभाषा हीरक जयंती पखवाड़ा पुरस्कार वितरण एवं राजभाषा सम्मान समारोह 2024

संस्थान में दिनांक 01.10.2024 को राजभाषा हीरक जयंती पखवाड़ा 2024 के अंतिम दिन पुरस्कार वितरण एवं राजभाषा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. सुनील बाबूराव कुलकर्णी, निदेशक, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा एवं निदेशक, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली (अतिरिक्त प्रभार) की गरिमामयी उपस्थिति रही तथा 'हिंदी का सफर : संपर्क भाषा से विश्व भाषा की ओर' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर राजभाषा हीरक जयंती पुरस्कार भी वितरित किए गए। संस्थान में इस वर्ष जून से सितंबर माह के मध्य तथा हिंदी पखवाड़ा 2024 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेताओं को मुख्य अतिथि तथा संस्थान के निदेशक प्रो. मनोरंजन परिड़ा द्वारा प्रमाण पत्र तथा शील्ड देकर सम्मानित किया गया। श्रीमती प्रीति सचदेवा, स्वागती को हिंदी प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तथा श्री मुकेश वाशन, एसीएसआईआर छात्र को प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता तथा हिंदी में अपना शोध कार्य प्रस्तुत करने के लिए निदेशक महोदय द्वारा 'राजभाषा सम्मान 2024' देकर सम्मानित किया गया।

हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मूल रूप से हिंदी में टिप्पणी एवं प्रारूप लेखन करने वाले कार्मिकों को सम्मानित करते हुए उन्हें पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर हिंदी अधिकारी, श्री संजय चौधरी ने संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में सभी कार्मिकों से यह अपील की कि हिंदी गतिविधियों में सहभागिता का यह उत्साह केवल एक पखवाड़े तक सीमित न रहकर हमारे दैनिक कार्यों एवं व्यवहार का हिस्सा बनेगा तथा हम हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करेंगे एवं अपनी राजभाषा को यथायोग्य सम्मान देंगे। राजभाषा हीरक जयंती वर्ष में यह हम सबका दायित्व बनता है।

.....